

समाजसेवी बोधराज सीकरी से मिली बच्चों को संस्कारों और उपहारों की सौगात

नये भारत का अखबार



गुड़गांव मेल

DAVP, Northern Rly., DIPR Haryana के विज्ञापनों के लिए अधिकृत हरियाणा के सभी जिलों, चण्डीगढ़ और दिल्ली में प्रसारित

समाजसेवी बोधराज सीकरी से नीलकण्ठ स्कूल अंबेडकर नगर के बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सौगात

ब्यूरो/गुड़गांव मेल

गुड़गांव, 1 अप्रैल। आज नीलकण्ठ स्कूल अंबेडकर नगर गुरुग्राम की संयोजिका डॉक्टर वीना अरोड़ा ने जाने माने समाजसेवी बोधराज सीकरी को अपने स्कूल में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया, जहाँ अत्यंत गरीब परिवार के बच्चे पढ़ते हैं।

बोधराज सीकरी का मन गढ़द हो गया जब उन्होंने उन बच्चों में देशप्रेम की उमंग और राष्ट्र के प्रति सम्मान गीतों के माध्यम से देखा। वास्तव में बच्चे प्रतिभाशाली हैं यद्यपि वे अभाव में पड़ रहे हैं। सीकरी ने डॉक्टर वीना को जहाँ एक और भूरी भूरी प्रशंसा की वहाँ उन्हें आशीर्वाद भी दिया कि आप एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की नींव भी डाल रही हैं जिससे बच्चे सनातन वैदिक पद्यति को ग्रहण कर रहे हैं।



इस स्कूल में डॉक्टर वीना अरोड़ा निःस्वार्थ भाव से अपने अन्य साथियों के साथ बेहतर शिक्षा असहाय बच्चों को दे रही हैं जिनमें शशि बजाज और आशा रानी का

नाम अग्रणी है। यद्यपि जगह छोटी होने के कारण बच्चों को जो सुविधा मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पा रही है परंतु उसके बावजूद सभी एक परिवार की भाँति निर्वाह कर रहे हैं।

अच्छी शिक्षा के अतिरिक्त अध्यापकगण द्वारा बच्चों को संस्कारवान भी बनाया जा रहा है। हर जाति और वर्ग का बच्चा जो असहाय है यहाँ शिक्षा ग्रहण करता

है। लगभग सौ बच्चों का यह स्कूल सेवाभाव से अपना नाम रोशन कर रहा है।

बता दें कि बोधराज सीकरी ने पहले बच्चों को प्रेरणादायक भाषण दिया और उसके उपरांत उन्हें कापियाँ बाँटीं। उन्होंने सभी सौ के सौ बच्चों को स्कूल की एक यूनिफार्म होने का सुझाव दिया और दो-दो ड्रेस देने के लिए सारा खर्च वहन करने का संकल्प लिया।

इस दौरान बोध राज सीकरी के आह्वान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा और प्रतिदिन स्कूल के प्रारम्भ में और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया। धर्मद्र बजाज और उनकी जीवन संगिनी श्रीमती ज्योत्सना बजाज भी समय-समय पर सहयोग करते रहते हैं।



अधिकतम तापमान 24.00° >>

न्यूनतम तापमान 14.00° >>

सूर्योदय 6:07 >>

सूर्यास्त 18:36 >>



ऑलर 02.18 >>

यूरो 09.33 >>

छोटी बड़ी बात

आज ही के दिन 1755 में इस्ट इंडिया कॉम्पेनी के कम्पोस्टर सिस्टिम जेकर के नेतृत्व में एक कैंसेलिक बंडे ने सराई के किले सुकपुर्ण पर कब्जा कर लिया था।

एडिटर कॉर्ड
लेखक एवं
पाठकों के
संस्कार पर

danikthaskarup.com

दैनिक भास्कर

देश का विश्वस्तरीय अखबार

नंज 1 08-07, 08-202 नंज 02 08 2025 | कुल पृष्ठ 16 | कुल 3.00 रुपये

झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित



स्कूल के प्रारम्भ में और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ

समाजसेवी बोधराज सीकरी से बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सौगात

भास्कर ब्यूरो

गुरुग्राम। नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर गुरुग्राम की संयोजिका डॉक्टर वीना अरोड़ा ने जाने माने समाजसेवी बोधराज सीकरी को अपने स्कूल में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया, जहाँ अत्यंत गरीब परिवार के बच्चे पढ़ते हैं। बोधराज सीकरी का मन गद्गद हो गया जब उन्होंने उन बच्चों में देशप्रेम की उमंग और राष्ट्र के प्रति सम्मान गीतों के माध्यम से देखा। वास्तव में बच्चे प्रतिभाशाली हैं यद्यपि वे अभाव में पड़ रहे हैं। सीकरी ने डॉक्टर वीना की जहाँ एक और भूरी भूरी प्रशंसा की वहाँ उन्हें आशीर्वाद भी दिया कि आप एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की नींव भी डाल रही हैं जिससे बच्चे सनातन वैदिक पद्यति को ग्रहण कर रहे हैं। बता दें कि बोधराज सीकरी ने पहले बच्चों को प्रेरणादायक



भाषण दिया और उसके उपरांत उन्हें कापियां बाँटी।

उन्होंने सभी सौ के सौ बच्चों को स्कूल की एक यूनिफार्म होने का सुझाव दिया और दो-दो ड्रेस देने के लिए सारा खर्च वहन करने का संकल्प लिया। इस दौरान बोधराज सीकरी के आह्वान

पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा और प्रतिदिन स्कूल के प्रारम्भ में और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया। धर्मेन्द्र बजाज और उनकी जीवन सांगिनी ज्योत्सना बजाज भी समय-समय पर सहयोग करते रहते हैं।

वे
ब
ट
ने
व
म
व
र
व
उ
वि
व
6
3
व
प
3
व
3
व
6



बोध राज सीकरी के आह्वान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पढ़ा पाठ

गुड़गांव, 1 अप्रैल (ब्यूरो): आज नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर गुरुग्राम की संयोजिका डॉक्टर वीना अरोड़ा ने जाने माने समाजसेवी बोधराज सीकरी को अपने स्कूल में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया, जहाँ अत्यंत गरीब परिवार के बच्चे पढ़ते हैं।

बोधराज सीकरी का मन गद्गद हो गया जब उन्होंने उन बच्चों में देशप्रेम की उमंग और राष्ट्र के प्रति सम्मान गीतों के माध्यम से देखा। वास्तव में बच्चे प्रतिभाशाली हैं यद्यपि वे अभाव में पड़ रहे हैं।

सीकरी ने डॉक्टर वीना की जहाँ एक और भूरी भूरी प्रशंसा की वहाँ उन्हें आशीर्वाद भी दिया कि आप एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की नींव भी डाल रही हैं जिससे बच्चे सनातन वैदिक पद्यति को ग्रहण कर रहे हैं।



स्कूल में बच्चों को हनुमान चालीसा का पाठ करने के लिए प्रेरित करने पहुंचे बोधराज सीकरी।

इस स्कूल में डॉक्टर वीना अरोड़ा निःस्वार्थ भाव से अपने अन्य साथियों के साथ बेहतर शिक्षा असहाय बच्चों को दे रही हैं जिनमें शशि बजाज और आशा रानी का नाम अग्रणी है। यद्यपि जगह छोटी होने के कारण बच्चों को जो सुविधा मिलनी चाहिए वह नहीं मिल

पा रही है परंतु उसके बावजूद सभी एक परिवार की भाँति निर्वाह कर रहे हैं। अच्छी शिक्षा के अतिरिक्त अध्यापकगण द्वारा बच्चों को संस्कारवान भी बनाया जा रहा है। हर जाति और वर्ग का बच्चा जो असहाय है यहाँ शिक्षा ग्रहण करता है।

बच्चे सनातन वैदिक पद्धति को अपनाएं: बोधराज सीकरी



कार्यक्रम में शामिल बोधराज सीकरी व अन्य।

गुरुग्राम, एमके अरोड़ा (पंजाब केसरी) : नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर गुरुग्राम की संयोजिका डा. वीना अरोड़ा ने जाने माने समाजसेवी बोधराज सीकरी को अपने स्कूल में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया, जहाँ अत्यंत गरीब परिवार के बच्चे पढ़ते हैं। बोधराज सीकरी का मन गद्गद हो गया जब उन्होंने उन बच्चों में देशप्रेम की उमंग और राष्ट्र के प्रति सम्मान गीतों के माध्यम से देखा। वास्तव में बच्चे प्रतिभाशाली हैं यद्यपि वे अभाव में पड़ रहे हैं। सीकरी ने डा. वीना की जहाँ एक और भूरी भूरी प्रशंसा की वहाँ उन्हें आशीर्वाद भी दिया कि आप एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की नींव भी डाल रही हैं जिससे बच्चे सनातन वैदिक पद्धति

को ग्रहण कर रहे हैं। इस स्कूल में डा. वीना अरोड़ा निःस्वार्थ भाव से अपने अन्य साथियों के साथ बेहतर शिक्षा असहाय बच्चों को दे रही हैं जिनमें शशि बजाज और आशा रानी का नाम अग्रणी है। यद्यपि जगह छोटी होने के कारण बच्चों को जो सुविधा मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पा रही है परंतु उसके बावजूद सभी एक परिवार की भाँति निर्वाह कर रहे हैं। अच्छी शिक्षा के अतिरिक्त अध्यापकगण द्वारा बच्चों को संस्कारवान भी बनाया जा रहा है। हर जाति और वर्ग का बच्चा जो असहाय है यहाँ शिक्षा ग्रहण करता है। लगभग सौ बच्चों का यह स्कूल सेवाभाव से अपना नाम रोशन कर रहा है।

अमर भारती

एक उम्मीद

दरुण

समाजसेवी बोधराज सीकरी से बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सौगात

► बोधराज सीकरी के आह्वान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा

अमर भारती संवाददाता

गुरुग्राम। नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर गुरुग्राम की संयोजिका डॉक्टर वीना अरोड़ा ने जाने माने समाजसेवी बोधराज सीकरी को अपने स्कूल में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया, जहाँ अत्यंत गरीब परिवार के बच्चे पढ़ते हैं। बोधराज सीकरी का मन गद्गद हो गया जब उन्होंने उन बच्चों में देशप्रेम की उमंग और राष्ट्र के प्रति सम्मान गीतों के माध्यम से देखा।

वारस्तव में बच्चे प्रतिभाशाली हैं यद्यपि वे अभाव में पड़ रहे हैं। सीकरी ने डॉक्टर वीना की जहाँ एक और भूरी भूरी प्रशंसा की वहाँ उन्हें आशीर्वाद भी दिया कि आप एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की नींव भी डाल रही हैं जिससे बच्चे



सनातन वैदिक पद्यति को ग्रहण कर रहे हैं। इस स्कूल में डॉक्टर वीना अरोरा निःस्वार्थ भाव से अपने अन्य साथियों के साथ बेहतर शिक्षा असहाय बच्चों को दे रही हैं जिनमें शशि बजाज और आशा रानी का नाम अग्रणी है। यद्यपि जगह छोटी होने के कारण बच्चों को जो सुविधा मिलनी

चाहिए वह नहीं मिल पा रही है परंतु उसके बावजूद सभी एक परिवार की भाँति निर्वाह कर रहे हैं। अच्छी शिक्षा के अतिरिक्त अध्यापकगण द्वारा बच्चों को संस्कारवान भी बनाया जा रहा है। हर जाति और वर्ग का बच्चा जो असहाय है यहाँ शिक्षा ग्रहण करता है। लगभग सौ बच्चों का यह स्कूल

सेवाभाव से अपना नाम रोशन कर रहा है। वता दें कि बोधराज सीकरी ने पहले बच्चों को प्रेरणादायक भाषण दिया और उसके उपरांत उन्हें कापियाँ बाँटीं। उन्होंने सभी सौ के सौ बच्चों को स्कूल की एक यूनिफार्म होने का सुझाव दिया और दो-दो ड्रेस देने के लिए सारा खर्च वहन करने का संकल्प लिया।



नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पार्यानिर

स्कूली बच्चों को बोधराज सीकरी ने दिया शिक्षा, संस्कार का उपहार



गुरुग्राम। समाजसेवी बोधराज सीकरी ने अंबेडकर नगर स्थित नीलकंठ पाठशाला मुफ्त शिक्षा केंद्र पहुंचकर बच्चों को शिक्षा और संस्कारों का उपहार दिया। उनके आह्वान पर बच्चों ने

गुरुग्राम के अंबेडकर नगर स्थित नीलकंठ पाठशाला में बच्चों को सम्मानित करते समाजसेवी बोधराज सीकरी। प्रतिदिन स्कूल के प्रारम्भ और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया। स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे बोधराज सीकरी बच्चों की प्रतिभा के कायल हो गए। स्कूल की संयोजिका डॉक्टर वीना अरोड़ा ने मुख्य अतिथि बोधराज सीकरी का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बोधराज सीकरी ने बच्चों को कॉपियां आवंटित की। उन्होंने सभी 100 बच्चों को स्कूल की एक ही यूनिफॉर्म होने का सुझाव भी दिया। साथ ही घोषणा की कि दो-दो ड्रेस प्रति छात्र वे अपने खर्च पर बच्चों को देंगे। बोधराज सीकरी ने कहा कि इस स्कूल में अत्यंत गरीब परिवारों के बच्चे पढ़ते हैं। बच्चों में देशप्रेम की उमंग और राष्ट्र के प्रति सम्मान गीतों के माध्यम से देखा तो उन्होंने बच्चों की खुलकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वास्तव में बच्चे प्रतिभाशाली हैं। वे अभाव में पढ़ रहे हैं, लेकिन प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। सीकरी ने डॉक्टर वीना की प्रशंसा की और कहा कि वे एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की नींव डाल रही हैं। बच्चे सनातन वैदिक पद्यति को ग्रहण कर रहे हैं। डॉक्टर वीना अरोड़ा निःस्वार्थ भाव से अपने अन्य साथियों के साथ बेहतर शिक्षा असहाय बच्चों को दे रही हैं। शशि बजाज और आशा रानी का नाम अग्रणी हैं।

राष्ट्रीय दैनिक ई-पेपर

भारत सारथी

समाजसेवी बोधराज सीकरी से नीलकण्ठ स्कूल अंबेडकर नगर के बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सौगात

बोध राज सीकरी के आह्वान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा और प्रतिदिन स्कूल के प्रारम्भ में और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया।

भारत सारथी

गुरुग्राम। आज नीलकण्ठ स्कूल अंबेडकर नगर गुरुग्राम की संयोजिका डॉक्टर वीना अरोड़ा ने जाने माने समाजसेवी बोधराज सीकरी को अपने स्कूल में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया, जहाँ अत्यंत गरीब परिवार के बच्चे पढ़ते हैं। बोधराज सीकरी का मन गदगद हो गया जब उन्होंने उन बच्चों में देशप्रेम की डमंग और राष्ट्र के प्रति सम्मान गीतों के माध्यम से देखा। वास्तव में बच्चे प्रतिभाशाली हैं यद्यपि वे अभाव में पढ़ रहे हैं। सीकरी ने डॉक्टर वीना को जहाँ एक ओर भूरी भूरी प्रशंसा की वहीं उन्हें आशीर्वाद भी दिया कि आप एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की नींव भी डाल रही हैं जिससे बच्चे सनातन वैदिक पद्धति को ग्रहण कर रहे हैं।

इस स्कूल में डॉक्टर वीना अरोड़ा निःस्वार्थ भाव से अपने अन्य सधियों के साथ बेहतर शिक्षा असहाय बच्चों को दे रही हैं जिनमें शशि बजाज और आशा रानी का नाम अग्रणी है। यद्यपि जगह छोटी होने के कारण बच्चों को जो सुविधा मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पा रही है परंतु उसके बावजूद सभी एक परिवार की भाँति निर्बाह कर रहे हैं। अच्छी शिक्षा के अतिरिक्त अध्यापकगण द्वारा बच्चों को संस्कारवान भी बनाया जा रहा है। हर जाति और वर्ग का बच्चा जो असहाय है वहाँ शिक्षा ग्रहण



करता है। लगभग सौ बच्चों का यह स्कूल सेवाभाव से अपना नाम रोशन कर रहा है।

बता दें कि बोधराज सीकरी ने पहले बच्चों को प्रेरणादायक भाषण दिया और उसके उपरांत उन्हें कापियाँ बाँटीं। उन्होंने सभी सौ के

सौ बच्चों को स्कूल की एक यूनिफार्म होने का सुझाव दिया और दो-दो ड्रेस देने के लिए सारा खर्च वहन करने का संकल्प लिया।

इस दौरान बोध राज सीकरी के आह्वान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा और प्रतिदिन

स्कूल के प्रारम्भ में और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया।

धर्मेंद्र बजाज और उनकी जीवन संगिनी श्रीमती ज्योत्सना बजाज भी समय-समय पर सहयोग करते रहते हैं।

सबसे तेज... सबसे आगे

हरियाणा की आवाज

भिवानी, चंडीगढ़, हिसार से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्रवादी हिन्दी दैनिक

10:38 PM

Postal No. : P/BWN/47/2023-2025
E-mail : haryanakiaawaz@gmail.com
www.haryanakiaawaz.in

हरियाणा की आवाज

स्कूली बच्चों को बोधराज सीकरी ने दिया शिक्षा, संस्कार का उपहार

सुविधाओं के अभाव में भी प्रतिभा के कायल हुए बोधराज सीकरी

गुरुग्राम(राकेश)। समाजसेवी बोधराज सीकरी ने अंबेडकर नगर स्थित नीलकण्ठ पाठशाला मुफ्त शिक्षा केंद्र पहुंचकर बच्चों को शिक्षा और संस्कारों का उपहार दिया। उनके आह्वान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। साथ ही प्रतिदिन स्कूल के प्रारम्भ और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया। स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे बोधराज सीकरी बच्चों की प्रतिभा के कायल हो गए। स्कूल की संयोजिका डॉक्टर वीना अरोड़ा ने मुख्य अतिथि बोधराज सीकरी का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बोधराज सीकरी ने बच्चों को काँपियां आर्वाटित की। उन्होंने सभी 100 बच्चों को स्कूल की एक ही यूनिफॉर्म होने का सुझाव भी दिया। साथ ही घोषणा की कि दो-दो ड्रेस प्रति छात्र वे अपने खर्च पर बच्चों को देंगे। बोधराज सीकरी ने कहा कि इस स्कूल में अत्यंत गरीब परिवारों के बच्चे पढ़ते हैं। बच्चों में देशप्रेम की उमंग और राष्ट्र के प्रति सम्मान गीतों के माध्यम से देखा तो उन्होंने बच्चों की खुलकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वास्तव में बच्चे प्रतिभाशाली हैं। वे अभाव में पढ़ रहे हैं, लेकिन प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। सीकरी ने डॉक्टर वीना की प्रशंसा की और कहा कि वे एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की नींव डाल रही हैं। बच्चे सनातन वैदिक



पद्यति को ग्रहण कर रहे हैं।

डॉक्टर वीना अरोड़ा निस्वार्थ भाव से अपने अन्य साथियों के साथ बेहतर शिक्षा असहाय बच्चों को दे रही हैं। शशि बजाज और आशा रानी का नाम अग्रणी हैं। उन्होंने कहा कि अच्छी शिक्षा के अतिरिक्त

अध्यापकों द्वारा बच्चों को संस्कारवान भी बनाया जा रहा है। हर जाति और वर्ग का बच्चा जो असहाय है, यहां शिक्षा ग्रहण करता है। उन्होंने कहा कि समाजसेवी धर्मेन्द्र बजाज और उनकी पत्नी ज्योत्सना बजाज भी समय-समय पर सहयोग करते रहते हैं।

आप का साथ हमारा विश्वास

एनसीआर टाइम

हिन्दी दैनिक पेपर

नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर के बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सौगात : बोधराज सीकरी



बोध राज सीकरी के आह्वान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा और प्रतिदिन स्कूल के प्रारम्भ में और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया।

गुरुग्राम (एनसीआर टाइम) गुरुग्राम नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर गुरुग्राम की संयोजिका डॉक्टर वीना अरोड़ा ने जाने माने समाजसेवी बोधराज सीकरी को अपने स्कूल में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया, जहाँ अत्यंत गरीब परिवार के बच्चे पढ़ते हैं। बोधराज सीकरी का मन

गद्गद हो गया जब उन्होंने उन बच्चों में देशप्रेम की उमंग और राष्ट्र के प्रति सम्मान गीतों के माध्यम से देखा। वास्तव में बच्चे प्रतिभाशाली हैं यद्यपि वे अभाव में पड़ रहे हैं। सीकरी ने डॉक्टर वीना की जहाँ एक और भूरी भूरी प्रशंसा की वहाँ उन्हें आशीर्वाद भी दिया कि आप एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की नींव भी डाल रही हैं जिससे बच्चे सनातन वैदिक पद्यति को ग्रहण कर रहे हैं। इस स्कूल में डॉक्टर वीना अरोरा निःस्वार्थ भाव से अपने अन्य साथियों के साथ बेहतर शिक्षा असहाय बच्चों को दे रही हैं जिनमें शशि बजाज और आशा रानी का नाम अग्रणी है। यद्यपि जगह छोटी होने के कारण बच्चों को जो सुविधा मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पा रही है परंतु उसके बावजूद सभी एक परिवार की भाँति निर्वाह कर रहे हैं। अच्छी शिक्षा के अतिरिक्त अध्यापकगण द्वारा बच्चों को संस्कारवान भी बनाया जा रहा है। हर जाति और वर्ग का बच्चा जो असहाय है यहाँ शिक्षा ग्रहण करता है। लगभग सौ बच्चों का यह स्कूल सेवाभाव से अपना नाम रोशन कर रहा है।

बोधराज सीकरी ने पहले बच्चों को प्रेरणादायक भाषण दिया और उसके उपरांत उन्हें कापियां बाँटी। उन्होंने सभी सौ के सौ बच्चों को स्कूल की एक यूनिफार्म होने का सुझाव दिया और दो-दो ड्रेस देने के लिए सारा खर्च वहन करने का संकल्प लिया।

जगत क्रान्ति

समाजसेवी बोधराज सीकरी से नीलकण्ठ स्कूल के बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सौगात

जगत क्रान्ति ► एमके अरोड़ा

गुरुग्राम : नीलकण्ठ स्कूल अंबेडकर नगर गुरुग्राम की संयोजिका डा. वीना अरोड़ा ने जाने माने समाजसेवी बोधराज सीकरी को अपने स्कूल में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया, जहाँ अत्यंत गरीब परिवार के बच्चे पढ़ते हैं। बोधराज सीकरी का मन गद्द हो गया जब उन्होंने उन बच्चों में देशप्रेम की उमंग और राष्ट्र के प्रति सम्मान गीतों के माध्यम से देखा। वास्तव में बच्चे प्रतिभाशाली है यद्यपि वे अभाव में पड़ रहे हैं। सीकरी ने डा. वीना की जहाँ एक और भूरी भूरी प्रशंसा की वहीं उन्हें आशीर्वाद भी दिया कि आप एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की नींव भी डाल रही हैं जिससे बच्चे सनातन वैदिक पद्धति को ग्रहण कर रहे हैं। इस स्कूल में डा. वीना अरोड़ा निःस्वार्थ भाव से अपने अन्य साथियों के साथ बेहतर शिक्षा असहाय बच्चों को दे रही हैं जिनमें शशि बजाज और आशा रानी का नाम अग्रणी है। यद्यपि जगह छोटी होने के कारण बच्चों को जो सुविधा



मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पा रही है परंतु उसके बावजूद सभी एक परिवार की भाँति निर्वाह कर रहे हैं। अच्छी शिक्षा के अतिरिक्त अध्यापकगण द्वारा बच्चों को संस्कारवान भी बनाया जा रहा है। हर जाति और वर्ग का बच्चा जो असहाय है यहाँ शिक्षा ग्रहण करता है। लगभग सौ बच्चों का यह स्कूल सेवाभाव से अपना नाम रोशन कर रहा है। बता दें कि बोधराज सीकरी ने पहले बच्चों को प्रेरणादायक भाषण दिया और उसके उपरांत उन्हें कापियाँ बाँटीं। उन्होंने सभी सौ के सौ बच्चों

को स्कूल की एक यूनिफार्म होने का सुझाव दिया और दो-दो ड्रेस देने के लिए सारा खर्च वहन करने का संकल्प लिया। इस दौरान बोधराज सीकरी के आह्वान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा और प्रतिदिन स्कूल के प्रारम्भ में और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया। धर्मेन्द्र बजाज और उनकी जीवन संगिनी ज्योत्सना बजाज भी समय-समय पर सहयोग करते रहते हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

समाजसेवी बोधराज सीकरी से नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर के बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सौगात

बोध राज सीकरी के आह्वान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा और प्रतिदिन स्कूल के प्रारम्भ में और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता
सलबीर भारद्वाज

गुरुग्राम। आज नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर गुरुग्राम की संयोजिका डॉक्टर वीणा अरोड़ा ने अपने समाजसेवी बोधराज सीकरी को अपने स्कूल में बच्चों को अतिरिक्त आमंत्रित किया, जहाँ अत्यंत गरीब परिवार के बच्चे पढ़ते हैं। बोधराज सीकरी का मन जुगुप्स हो गया जब उन्होंने इन बच्चों में देशप्रेम को उमंग और राष्ट्र के प्रति सम्मान कीर्ति के माध्यम से देखा। स्वास्थ्य में बच्चे प्रतिभाशाली हैं यद्यपि वे अभाव में पड़ रहे हैं। सीकरी ने डॉक्टर वीणा को जहाँ एक ओर भूरी भूरी प्रशंसा की वहीं उन्हें आशीर्वाद भी दिया कि आप एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की नींव भी डाल



यहाँ हैं जिसमें बच्चे सनातन वैदिक पद्धति को ग्रहण कर रहे हैं। इस स्कूल में डॉक्टर वीणा अरोड़ा नि:स्वार्थ भाव



से अपने अन्य साधियों के साथ बेहतर शिक्षा असाध्य बच्चों को दे रही हैं जिनमें शशि बजाज और आशा रानी

का नाम अग्रणी है। यद्यपि जगह छोटी होने के कारण बच्चों को जो सुविधा मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पा रही है परंतु उसके बावजूद सभी एक परिवार की भाँति निरालंकार रहे हैं। अच्छी शिक्षा के अतिरिक्त अध्यापकगण द्वारा बच्चों को संस्कारवान भी बनाया जा रहा है। इन जटिल और वर्ग का बच्चा जो असहाय है यहाँ शिक्षा ग्रहण करता है। लगभग सभी बच्चों का यह स्कूल सेवाभाव से अपना नाम रोशन कर रहा है। बातें कि बोधराज सीकरी ने पहले बच्चों को प्रेरणादायक भाषण दिया और उसके उपरान्त उन्हें कार्रियाँ बाँटी। उन्होंने सभी बच्चों को स्कूल को एक चुनिकर्य होने का सुझाव दिया और दो-दो टुकड़े देने के लिए खाद्य खाद्य सहन करने का संकल्प लिया।

गुड़गांव टुडे

नीलकण्ठ स्कूल अंबेडकर नगर के बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सौगात

- बोध राज सीकरी के आह्वान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा।
- प्रतिदिन स्कूल के प्रारम्भ में और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया।

गुड़गांव टुडे, गुरुग्राम

आज नीलकण्ठ स्कूल अंबेडकर नगर गुरुग्राम की संयोजिका डॉक्टर वीना अरोड़ा ने जाने माने समाजसेवी बोधराज सीकरी को अपने स्कूल में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया, जहाँ अत्यंत गरीब परिवार के बच्चे पढ़ते हैं। बोधराज सीकरी का मन

गदगद हो गया जब उन्होंने उन बच्चों में देशप्रेम की उमंग और राष्ट्र के प्रति सम्मान गीतों के माध्यम से देखा। वास्तव में बच्चे प्रतिभाशाली हैं यद्यपि वे अभाव में पड़ रहे हैं। सीकरी ने डॉक्टर वीना की जहाँ एक और भूरी भूरी प्रशंसा की वहीं उन्हें आशीर्वाद भी दिया कि आप एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की नींव भी डाल रही हैं जिससे बच्चे सनातन वैदिक पद्यति को ग्रहण कर रहे हैं।

इस स्कूल में डॉक्टर वीना अरोड़ा निःस्वार्थ भाव से अपने अन्य साधियों के साथ बेहतर शिक्षा असहाय बच्चों को दे रही हैं जिनमें शशि बजाज और आशा रानी का नाम अग्रणी है। यद्यपि जगह छोटी होने के कारण बच्चों को जो सुविधा मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पा रही है परंतु उसके बावजूद सभी एक परिवार की भाँति निर्वाह कर रहे हैं। अच्छी शिक्षा के अतिरिक्त अध्यापकगण द्वारा बच्चों को



संस्कारवान भी बनाया जा रहा है। हर जाति और वर्ग का बच्चा जो असहाय है यहाँ शिक्षा ग्रहण करता है। लगभग सभी बच्चों का यह स्कूल सेवाभाव से अपना नाम रोशन कर रहा है।

बता दें कि बोधराज सीकरी ने पहले बच्चों को प्रेरणादायक भाषण दिया और उसके उपरांत उन्हें कापियाँ बाँटीं। उन्होंने सभी सौ के सौ बच्चों को स्कूल की एक युनिफार्म होने का सुझाव दिया और दो-दो ट्रेस देने के लिए सारा खर्च वहन करने का संकल्प लिया।

इस दौरान बोध राज सीकरी के आह्वान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा और प्रतिदिन स्कूल के प्रारम्भ में और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया।

धर्मेंद्र बजाज और उनकी जीवन सांगिनी ज्योत्सना बजाज भी समय-समय पर सहयोग करते रहते हैं।

ज्योति दर्पण

Website : www.jyotidarpan.com

हिन्दी दैनिक

समाजसेवी बोधराज सीकरी से नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर के बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सौगात



मुद्राग्राम। श्याम नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर मुद्राग्राम को संशोधन केंद्र बोना अंग्रेज़ ने जन्मे गाने समाजसेवी बोधराज सीकरी को अपने स्कूल में चारों दुखन अतिथि अर्पित किया, जहाँ अग्रज गौरी चंदर के बच्चे पढ़ते हैं। बोधराज सीकरी का पूरा गुरुद्वारा से सब जगह उन्होंने उन बच्चों में देशप्रेम की जगह और राष्ट्र के प्रति सम्मान गौरव के माध्यम से देखा। खरबन में

बच्चे प्रतिधराली है चर्चा के अग्रज में पढ़ रहे हैं। सीकरी ने केंद्र गौरी को जहाँ एक और रुचि पूरी प्रवेश की गरी उन्हें अग्रजों के दिव्य कि आर एक अग्रज राष्ट्र विरोध को नील भी जग रही है जिससे बच्चे सम्मान गौरव चर्चा को जग भर रहे हैं। इस स्कूल में केंद्र गौरी अंग्रेज विरोधक भाव से अपने अन्य छात्रियों के साथ बेहतर शिक्षा

अग्रज बच्चों को दे रही है जिसमें शक्ति भाव और आशा गाने का गान आगी है चर्चा जग छोटी होने के कारण बच्चों को जो सुविधा मिलने चाहिए वह नहीं मिल पा रही है जहाँ उनके खरबन सभी एक सीकरी को भीतर निष्ठा कर रहे हैं। अपने शिक्षा के अतिरिक्त अग्रजों द्वारा बच्चों को संस्कारों से बनवना जा रहा है। हर गरी और चर्चा का बच्चे को

अग्रज ने चर्चा शिक्षा देना करता है। लक्ष्य रही बच्चों का यह स्कूल संस्कारों से अपना नाम रोशन कर रहा है। कहा है कि बोधराज सीकरी ने चर्चे बच्चों को प्रेरणादायक भावना दिया और उनके अग्रज उन्हें कृपियाँ बढ़ाई। उन्होंने सभी से ही बच्चों को स्कूल को एक सुनिश्चन होने का सुझाव दिया और टी-टी डेन देने के लिए सभी जगह गठन करने का

संस्कार किया। इस दौरान बोधराज सीकरी के अग्रज पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पद्य पढ़ा और प्रतिदिन स्कूल के प्रार्थना में और सम्मान के समय दो गारा हनुमान चालीसा का पद्य करने का वाक्य भी किया। भर्षा बच्चों और उनकी जीवन शक्ति को भी जगदान वातावरण भी समय-समय पर खरबन करते रहते हैं।

समाजसेवी बोधराज सीकरी से बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सौगात

गुरुग्राम भगत शर्मा उजाला आज तक शनिवार को नीलकण्ठ स्कूल अंबेडकर नगर गुरुग्राम की संयोजिका डॉक्टर वीना अरोड़ा ने जाने माने समाजसेवी बोधराज सीकरी को अपने स्कूल में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया, जहाँ अत्यंत गरीब परिवार के बच्चे पढ़ते हैं। बोधराज सीकरी का मन गदगद हो गया जब उन्होंने उन बच्चों में देशप्रेम की उमंग और राष्ट्र के प्रति सम्मान गीतों के माध्यम से देखा। वास्तव में बच्चे प्रतिभाशाली हैं यद्यपि वे अभाव में पड़ रहे हैं। सीकरी ने डॉक्टर वीना की जहाँ एक और भूरी प्रशंसा की वहाँ उन्हें आशीर्वाद भी दिया कि आप एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की नींव भी डाल रही हैं जिससे बच्चे सनातन वैदिक पद्यति को ग्रहण कर रहे हैं।

इस स्कूल में डॉक्टर वीना अरोरा निःस्वार्थ भाव से अपने अन्य साथियों के साथ बेहतर शिक्षा असहाय बच्चों को दे रही हैं जिनमें शशि बजाज और आशा रानी का नाम



अग्रणी है। यद्यपि जगह छोटी होने के कारण बच्चों को जो सुविधा मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पा रही है परंतु उसके

बावजूद सभी एक परिवार की भाँति निर्वाह कर रहे हैं। अच्छी शिक्षा के अतिरिक्त अध्यापकगण द्वारा बच्चों को संस्कारवान भी बनाया जा रहा है। हर जाति और वर्ग का बच्चा जो असहाय है वहाँ शिक्षा ग्रहण करता है। लगभग सौ बच्चों का यह स्कूल सेवाभाव से अपना नाम रोशन कर रहा है। बता दें कि बोधराज सीकरी ने पहले बच्चों को प्रेरणादायक भाषण दिया और उसके उपरांत उन्हें कापियाँ बाँटीं। उन्होंने सभी सौ के सौ बच्चों को स्कूल की एक यूनिफॉर्म होने का सुझाव दिया और दो-दो ट्रेस देने के लिए सारा खर्च वहन करने का संकल्प लिया। इस दौरान बोधराज सीकरी के आह्वान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा और प्रतिदिन स्कूल के प्रारम्भ में और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया। धर्मेंद्र बजाज और उनकी जीवन संगिनी ज्योत्सना बजाज भी समय-समय पर सहयोग करते रहते हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

समाजसेवी बोधराज सीकरी से नीलकण्ठ स्कूल अंबेडकर नगर के बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सौगात

● बोधराज सीकरी के आह्वान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा और प्रतिदिन स्कूल के प्रारम्भ में और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया।

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। आज नीलकण्ठ स्कूल अंबेडकर नगर गुरुग्राम की संयोजिका डॉक्टर वीना अरोड़ा ने जाने-माने समाजसेवी बोधराज सीकरी को अपने स्कूल में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया, जहाँ अत्यंत गरीब परिवार के बच्चे पढ़ते हैं। बोधराज सीकरी का मन गदगद हो गया जब उन्होंने उन बच्चों में देशप्रेम की उमंग और राष्ट्र के प्रति सम्मान गीतों के माध्यम से देखा। वास्तव में बच्चे प्रतिभाशाली हैं यद्यपि वे अभाव में पड़ रहे हैं। सीकरी ने डॉक्टर वीना को जहाँ एक ओर भूरी भूरी प्रशंसा की वहीं उन्हें आशीर्वाद भी दिया कि आप एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की नींव भी डाल रही हैं जिससे बच्चे सनातन वैदिक



पद्यति को ग्रहण कर रहे हैं। इस स्कूल में डॉक्टर वीना अरोड़ा निःस्वार्थ भाव से अपने अन्य साथियों के साथ बेहतर शिक्षा असहाय बच्चों को दे रही हैं जिनमें शशि बजाज और आशा रानी का नाम अग्रणी है। यद्यपि जगह छोटी होने के कारण बच्चों को जो सुविधा मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पा रही है परंतु उसके बावजूद सभी एक परिवार की भाँति निर्वाह कर रहे हैं। अच्छी शिक्षा के अतिरिक्त

अध्यापकगण द्वारा बच्चों को संस्कारवान भी बनाया जा रहा है। हर जाति और वर्ग का बच्चा जो असहाय है यहाँ शिक्षा ग्रहण करता है। लगभग सौ बच्चों का यह स्कूल सेवाभाव से अपना नाम रोशन कर रहा है।

बता दें कि बोधराज सीकरी ने पहले बच्चों को प्रेरणादायक भाषण दिया और उसके उपरांत उन्हें कापियाँ बाँटीं। उन्होंने सभी सौ के सौ बच्चों को स्कूल को एक

यूनिफार्म होने का सुझाव दिया और दो-दो ड्रेस देने के लिए सारा खर्च वहन करने का संकल्प लिया। इस दौरान बोधराज सीकरी के आह्वान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा और प्रतिदिन स्कूल के प्रारम्भ में और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया। धर्मेंद्र बजाज और उनकी जीवन संगिनी श्रीमती ज्योत्सना बजाज भी समय-समय पर सहयोग करते रहते हैं।

समाजसेवी बोधराज सीकरी से नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर के बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सीगात



बोधराज सीकरी के आह्वान पर बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ा और प्रतिदिन स्कूल के प्रारम्भ में और समापन के समय दो बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का वायदा भी किया।

गुरुग्राम। आज नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर गुरुग्राम की संवैधानिक ड्रीमवर्क स्कूल अंबेडकर ने अपने माने सम्मानलेयी बोधराज सीकरी को अपने स्कूल से वरीय मुख्य अतिथि आमंत्रित किया, जहाँ अत्यंत गठील प्रतिभा के बच्चे पढ़ते हैं। नीलकंठ स्कूल की कर्म स्वयंसेवक ने नया पत्र उन्होंने उन बच्चों में देशप्रेम की उमंग और राष्ट्र के प्रति सम्मान गीतों के माध्यम से किया। कार्यक्रम में बच्चे प्रतिभाशाली हैं यद्यपि वे अल्प आयु में हैं। सीकरी ने ड्रीमवर्क स्कूल की जहाँ एक और भूरी भूरी प्रशंसा की जहाँ उन्हें आश्चर्यचकित भी दिया कि आप एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की नींव भी डाल रहे हैं जिससे बच्चे संवैधानिक कौशल को बढ़ा सकते हैं।

इस स्कूल में ड्रीमवर्क स्कूल अंबेडकर नि:स्वार्थ भाव से अपने अन्य स्वयंसेवकों के साथ गैरलाभ सिद्ध असाध्य कर्मों को दे रही हैं निम्नलिखित वजन और असाध्य कर्मों का नाम अर्थपूर्ण है। यद्यपि नगह छोटी होने के कारण बच्चों को जो सुविधा मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पा रही है परंतु उनके वाहन-सुख सभी एक परिभाषा की नींव निर्धारित कर रहे हैं। अपनी शिक्ष के अतिरिक्त अत्याधिक गहनता से बच्चों को संवैधानिक नींव बनाने का प्रयत्न है। हर नागरिक और कर्मिका बच्चा को असाध्य है जहाँ शिक्षा बढ़ाने का प्रयत्न कर रहा है। संवैधानिक नींव बच्चों का यह स्कूल संवैधानिक से अपना नाम जोशान कर रहा है।





Home > Bodhraj sikri > समाजसेवी बोधराज सीकरी से नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर के बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सौगात ।

समाजसेवी बोधराज सीकरी से नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर के बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सौगात ।

ajeybharat Saturday, April 01, 2023



GURUGRAM

Bodh Raj Sikri से नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर के बच्चों को मिली संस्कारों और उपहारों की सौगात ।



VIRAL SACH

April 2, 2023

No Comments

6 0



1 minute read

Viral Sach : आज नीलकंठ स्कूल अंबेडकर नगर गुरुग्राम की संघोजिका डॉक्टर वीना अरोड़ा ने जाने माने समाजसेवी बोधराज सीकरी को अपने स्कूल में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया, जहाँ अल्पत गरीब परिवार के बच्चे पढ़ते हैं। बोधराज सीकरी का मन गढ़ट हो गया जब उन्होंने उन बच्चों में देशप्रेम की उमंग और राष्ट्र के प्रति सम्मान गीतों के माध्यम से देखा। वास्तव में बच्चे प्रतिभाशाली हैं पछपि वे अभाव में पल रहे हैं। सीकरी ने डॉक्टर वीना को जहाँ एक और भूरी भूरी प्रशंसा की वहाँ उन्हें आशीर्वाद भी दिया कि आप एक अच्छे राष्ट्र निर्माण की नींव भी डाल रही हैं जिससे बच्चे सनातन वैदिक पद्धति को ग्रहण कर रहे हैं।



इस स्कूल में डॉक्टर वीना अरोड़ा निःस्वार्थ भाव से अपने अन्य साथियों के साथ बेहतर शिक्षा असहाय बच्चों को दे रही हैं जिनमें पाणि बजाज और आशा रानी का नाम अग्रणी है। पछपि जगह छोटी होने के कारण बच्चों को जो सुविधा मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पा रही है परंतु उसके बावजूद सभी एक परिवार की भाँति निर्वाह कर रहे हैं। अच्छी शिक्षा के अतिरिक्त अध्यापकगण द्वारा बच्चों को संस्कारवान भी बनाया जा रहा है। हर जाति और वर्ग का बच्चा जो असहाय है वहाँ शिक्षा ग्रहण करता है। लगभग सौ बच्चों का यह स्कूल सेवाभाव से अपना नाम रोशन कर रहा है।